‘‘उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायक”

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्‌यालय, नांदेड
पीएच.डी (हिंदी) उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोधप्रबंध का संक्षेपण

शोधकर्ता

श्री. विकास विलासराव पाटील

शोध–निर्देशक

डॉ. प्रदीप शिवराम सूर्यवंशी
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
दयानंद कला महाविद्‌यालय,
लातुर

मई 2017

‘‘उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायक”

अनुक्रमणिका

अ.क्र	अध्याय	अध्यायों के नाम
१.	प्रथम अध्याय	उदय प्रकाश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
२.	द्वितीय अध्याय	नायकः सैध्दांतिक विवेचन
३.	तृतीय अध्याय	उदय प्रकाश की कहानी संग्रहओं का परिचयात्मक विवेचन
४.	चतुर्थ अध्याय	उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायकः चारित्रिक विशेषताएँ
५.	पंचम् अध्याय	उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायकों का व्यक्तित्व निर्माण में संघर्ष
६.	षष्ठ अध्याय	उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायकों का वर्ग संघर्ष
७.		उपसंहार
८.		संदर्भ ग्रंथ सूची

‘‘उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायक”

विषय प्रवेश :-

मनुष्य की मूलभूत प्रवृत्ति कहानी सुनना और सुनाना है। प्राचीन काल से ही कहानी के पग हमें दिखाई देते है। हिंदी कहानी के विकास पर ऐतिहासिक दृष्टि से विचार करने पर यह ज्ञात होता है कि आधुनिक कथा साहित्य मूल रूप से संस्कृत कथा साहित्य में वर्णित गल्पों और आख्यायिकांओं की प्राचीन परंपराओं से जुडा है।

आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं में कहानी सबसे सशक्त विधा बनकर विकसित हुई है। आज कहानी के पाठक अन्य सभी विधाओं की तुलना में सर्वाधिक है, यही कारण है कि पत्र-पत्रिकाओं में कहानीओं की मांग सर्वाधिक है। सभी गद्य विधाओं की अपेक्षा आज की हिंदी कहानी में युगबोध की क्षमता सबसे अधिक दिखाई पडती है।

कहानी वैदिक युग से आधुनिक युग तक अनेक परिवेश, परिस्थिति तथा आंदोलन और युगीन विचारधारा से विकसित हुई है। उसमें भारतेंदु युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग तथा नई कहानी, सचेतन कहानी, अकहानी, समांतर कहानी, जनवादी कहानी और समकालीन कहानी आदि आंदोलन रहे है। समकालीन होने का अर्थ है समय के वैचारिक और रचनात्मक दबावों को झेलते हुए, उनसे उत्पन्न तनावों और टकराहटों के बीच अपनी सर्जनशीलता द्वारा अपना अस्तित्व प्रमाणित करना। समकालीन लेखक की पहचान यही हो सकती है कि अपने समय के सवालों के प्रति वह किस तरह प्रतिक्रिया करता है और अपने लेखन में उन सवालों के लिए जो जगह वह निर्धारित करता है, उन सवालों के प्रति वह कितना गंभीर है, कहीं न कहीं इन सबको ही उसकी समकालीनता सुनिश्चित होती है।

कहानी विभिन्न आंदोलनों के कारण वह एक सीमित दायरे और विचारों से ही प्रभावित रही। नई कहानी के बाद ७० के दशक के तमाम विश्वासों को ८० का दशक एक संक्रमण काल के रूप में गुजारा लेकिन आखिरी दशक तक

आते-आते उदय प्रकाश के रूप में एक ऐसे रचनाकार उदय हुआ, जिसके बारे में हम कह सकते हैं कि उसने अपनी कहानियों में मुँह के बल पडी दुनिया की वास्तविक छवि प्रस्तुत की। नई दुनिया का निर्माण हमेशा पुरानी दुनिया की आलोचना के दौरान होता है। उदय प्रकाश ने यह किया है। इसीलिए वे भीड से इतने अलग, अकेले और ऊपर दिखाई पडते है।

उदय प्रकाश चर्चित कवि, कथाकार, पत्रकार और फिल्मकार है। वे हिंदी साहित्य और संसार के प्रतिष्ठित और चर्चित कथाकार है। इनकी रचनाएँ न केवल भारतीय भाषाओं, बल्कि कई विदेशी भाषाओं में अनुदित होकर लोकप्रिय हुई है।

प्रेरणा एवं विषय चयन :

हिंदी गद्य विधाओं में कहानी सबसे सशक्त विधा बनकर विकसित हुई है। आज कहानी के पाठक अन्य सभी विधाओं की तुलना में सर्वाधिक है। यही कारण है कि पत्र-पत्रिकाओं में कहानियों की मांग सर्वाधिक है। यही नहीं अपुति कई पत्रिकाएं तो केवल कहानी पत्रिकाएं ही है, जो समकालिन कथाकारों की स्तरीय कहानियों के साथ-साथ उभरते हुए कहानिकारों की कहानियॉ भी छपती है। अन्य सभी गद्य विधाओं की अपेक्षा आज की हिंदी कहानी में युगबोध की क्षमता सबसे अधिक दिखाई पडती है।

विद्यार्थी जीवन से ही कहानी साहित्य के प्रति मुझे विशेष रूचि रही है। अध्ययन करते समय मुंशी प्रेमचंद, मन्नू भंडारी, जैनेंद्र, 'रेणु' तथा उदय प्रकाश आदि लेखकों का कहानी साहित्य पढ़ने का अवसर मिला । उदय प्रकाश जी की कहानियों ने मुझे प्रभावित किया और अनुसंधान के लिए उदय प्रकाश जी की कहानियों को लेकर गुरूवर्य डॉ. प्रदीप सूर्यवंशी जी से मिला। उनके साथ विचार - विमर्श कर 'उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायक" विषय अध्ययन के लिए चुना।

शोधकार्य का महत्व :

समकालीन हिंदी कहानी साहित्य में उदय प्रकाश ने अपना अलग स्थान निश्चित किया है। नई शती के एक सशक्त कहानीकार के रूप में हिंदी साहित्य जगत् में उदय प्रकाश को पहचाना जाता है।

कहानी में प्रधान पात्र नायक-नायिका होती है। भारतीय साहित्य में दोंनो को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया है। नायक-नायिका समाज का संचालन करत है। समाज में प्रचालित जीवन मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है। कहानी में नायक अपनी परिस्थिति, परिवेश, लालच, उपभोक्तावाद, उदारीकरण, भूमंडलीकरण, भष्ट्राचार आदि स्थितिओं में नायक का जीवन स्तर, पारिवारिक जीवन, जीवन संघर्ष, प्रश्न पीडित जीवन का यथार्थ विवेचन करना तथा नायक की चारित्रिक विशेषताएँ प्रस्तुत करना प्रमुख उद्देश रहेगा।

समाज में व्याप्त भ्रष्ट्राचार, भौतिक सुख-सुविधा के लिए उपभोक्तावाद, उदारीकरण में हो रहे भारतीय मूल्यों का तथा संस्कृति का -हास, तथा आजाद भारत में यहाँ के हुक्मरानों की नीतियों का पर्दादाश करना, कृषक समाज का पूँजीवाद से सामना आदि को केंद्र रहकर कहानीओं के विषयों की नविनता प्रस्तुत करना हैं।

शोध की उपयोगिता :

वस्तुतः शोध गहन अध्ययन का विषय है, जिसमें परिश्रम के साथ सुनिश्चित नियोजन की आवश्यकता होती है, तात्पर्य शोध विषयी की अपनी सीमा और व्याप्ति निर्धारित होती है, तभी शोध कार्य सुचारू रूप से संपन्न होता है। अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से मैंने शोध प्रबंध को निम्नांकित **छह अध्यायों में** विभाजित कर विषय का विवेचन प्रस्तुत करना मेरा लक्ष्य रखा है।

प्रथम अध्याय :- उदय प्रकाश : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इस अध्याय के अंतर्गत उदय प्रकाश का परिचय दिया जाएगा। जिसमें उनका जन्म, बचपन, शिक्षा-दीक्षा, परिवार, विवाह, व्यवसाय आदि पर विवेचन तथा उदय प्रकाश की साहित्यिक कृतियों का संक्षिप्त परिचय दिया जाएगा। उदय प्रकाश की व्यक्तित्व की विशेषताओं को भी रेखांकित करने का लक्ष्य है। अध्याय के अंत में निष्कर्ष प्रस्तुत किए जाएँगे।

द्विवितीय अध्याय :- नायकः सैध्दांतिक विवेचन

प्रस्तुत अध्याय के अतंर्गत नायक, नायिका, अवधारणा : शब्द, अर्थ और स्वरूप आदि का सैध्दांतिक विवेचन किया जाएगा। अध्याय के अंत में निष्कर्ष दर्ज किए जाएँगे।

तृतीय अध्याय :- उदय प्रकाश की कहानी संग्रहओं का परिचयात्मक विवेचन

इस अध्याय के अंतर्गत उदय प्रकाश लिखित दरियाई घोडा, तिरिछ, ...और अंत में प्रार्थना, पॉल गोमरा का स्कूटर, पीली छतरीवाली लडकी, दत्तात्रेय का दुःख, मैंगोसिल, मोहनदास और अरेबा-परेबा आदि कहानी संग्रहओं का संक्षिप्त परिचय दिया जाएगा। अध्याय के अंत में निष्कर्ष प्रस्तुत किए जाएँगे।

चर्तुथ अध्याय :- उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायकः चारित्रिक विशेषताएँ

इस अध्याय के अंतर्गत प्रस्तुत कहानीओं में चित्रित नायकों के वीर, आत्मसंयमी, दयालु, सामर्थ्यशील, विवेकशील, कर्तव्यदक्ष, संघर्षशील, विद्रोही, क्रांतिकारी, अंहिसक, सत्वशील आदि अच्छी चारित्रिक विशेषताओं के साथ विवेचन किया जाएगा। अध्याय के अंत में निष्कर्ष दर्ज किए जाएँगे।

पंचम अध्याय :- उदय प्रकाश की कहानियों में चित्रित नायकों का व्यक्तित्व निर्माण में संघर्ष

प्रस्तुत अध्याय में कहानियों चित्रित नायकों के व्यक्तित्व निर्माण संघर्ष का विवेचन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत व्यक्तित्व निर्माण में सहायता करनेवाले पहलूओं को लेकर विवेचन होगा। इसमें नायकों का भावनात्मक संघर्ष, मनोवैज्ञानिक संघर्ष, शैक्षिक संघर्ष, वैचारिक संघर्ष, मूल्य एवं संस्कार संघर्ष, आधुनिक सभ्यता संघर्ष, आदि विभिन्न आयामों पर विवेचन प्रस्तुत किया जाएगा। अध्याय के अंत में निष्कर्ष दर्ज किए जाएँगे।

षष्ठ अध्याय : उदय प्रकाश की कहानिओं में चित्रित नायकों का वर्ग संघर्ष

इस अध्याय के अंतर्गत प्रस्तुत कहानीओं में चित्रित नायकों के वर्ग संघर्ष का विवेचन किया जाएगा। जिसमें निम्न वर्ग से संघर्ष, मध्यम वर्ग से संघर्ष, उच्च वर्ग से संघर्ष आदि को लेकर संघर्ष प्रस्तुत कर अध्याय के अंत में निष्कर्ष दर्ज किए जाएँगे।

उपसंहार :

समग्र अध्याय लेखन के उपरान्त जो निष्कर्ष प्राप्त होंगे वे साररूप में उपसंहार में दर्ज किए जाएँगे। साथ ही समग्र अध्ययन के उपरान्त प्राप्त उपलब्धियाँ प्रस्तुत की जाएँगी।

आधार ग्रंथ सूची :-

अ.क्र	ग्रंथ	लेखक	प्रकाशक	वर्ष
1	दरियाई घोडा	उदय प्रकाश	संभावना	1982
2	तिरिछ	उदय प्रकाश	वाणी	1990
3	.... और अंत में प्रार्थना	उदय प्रकाश	आधार	1994
4	पॉल गोमरा का स्कूटर	उदय प्रकाश	वाणी	2004
5	पीली छतरीवाली लडकी	उदय प्रकाश	वाणी	2005
6	मोहन दास	उदय प्रकाश	वाणी	2006
7	दत्तात्रेय का दुःख	उदय प्रकाश	वाणी	2001
8	मैंगोसिल	उदय प्रकाश	पेंगुइन बुक्स	2006
9	अरेबा–परेबा	उदय प्रकाश	पेंगुइन बुक्स	2006

संदर्भ-ग्रंथ सूची :-

अ.क्र	ग्रंथ	लेखक	प्रकाशक
1	कहानीः अनुभव और शिल्प	जैनेंद्रकुमार	पूर्वोदय, दिल्ली
2	कहानीः नयी कहानी	डॉ.नामवर सिंह	लोकभारती, इलाहाबाद
3	हिंदी कहानी का इतिहास	डॉ.गोपाल राय	राजकमल, नई दिल्ली
4	नयी सदी का पंचतंत्र	उदय प्रकाश	वाणी, नई दिल्ली
5	ईश्वर की आँख	उदय प्रकाश	वाणी, नई दिल्ली
6	अपनी उनकी बात	उदय प्रकाश	वाणी, नई दिल्ली
7	एक भाषा हुआ करती है	उदय प्रकाश	वाणी, नई दिल्ली
8	रात में हारमोनियम	उदय प्रकाश	वाणी, नई दिल्ली
9	अबूतर-कबूतर	उदय प्रकाश	राधाकृष्ण, दिल्ली
10	सुनो कारीगर	उदय प्रकाश	संभावना, दिल्ली

शोध-कर्ता,

श्री. विकास विलासराव पाटील

शोध-निर्देशक,

डॉ. प्रदीप शिवराम सूर्यवंशी
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
दयानंद कला महाविद्‌यालय,
लातुर।